अभ्यास प्रश्नपत्र 2020-21 विषय-हिंदी ऐच्छिक (कोड 002) कक्षा बारहवीं (सेट-4)

निर्धारित समय - 3 घंटे **अधिकतम अंक - 80**

सामान्य निर्देश:- निम्नलिखित निर्देशों का पालन कीजिए -

- इस प्रश्नपत्र में दो खंड हैं- खंड 'अ' और खंड 'ब' । खंड 'अ' में वस्तुपरक और खंड 'ब' में वर्णनात्मक प्रश्न पूछे गए हैं ।
- खंड 'अ' में कुल 6 वस्तुपरक प्रश्न पूछे गए हैं, जिनमें कुछ प्रश्नों के वैकल्पिक प्रश्न भी सम्मिलित हैं । दिए गए निर्देशों का पालन करते हुए प्रश्नों के उत्तर दीजिए ।
- खंड 'ब' में कुल 8 वर्णनात्मक प्रश्न पूछे गए हैं, जिनमें कुछ प्रश्नों के वैकल्पिक प्रश्न भी सम्मिलित हैं । दिए गए निर्देशों का पालन करते हुए प्रश्नों के उत्तर दीजिए ।

प्रश्न संख्या	खंड 'अ' वस्तुपरक प्रश्न	अंक
	अपठित गद्यांश	(10)
प्रश्न 1.	**निम्नलिखित में से किसी एक गद्यांश को ध्यानपूर्वक पढ़िए :-** कैसी विडंबना है कि उन्नीसवीं शताब्दी में जब अंग्रेजी 'ओरिएंटलिस्ट' कादम्बरी, कथा-सरित्सागर, पंचतन्त्र जैसी भारतीय कथाओं के पीछे पागल थे, स्वयं भारतीय लेखक 'अंग्रेजी ढंग का नावेल' लिखने के लिए व्याकुल थे, ये हैं उपनिवेशवाद के दो चेहरे! निस्सन्देह कुछ लोग अपनी भाषा में 'अंग्रेजी ढंग का नावेल' लिखने में कुछ-कुछ कामयाब भी हो गए। उदाहरण के लिए लाला श्रीनिवास दास का 'परीक्षागुरु' (1882), जिसे आचार्य रामचन्द्र शुक्ल ने 'हिन्दी में अंग्रेजी ढंग का पहला उपन्यास' माना। लेकिन पूरा-पूरा 'अंग्रेजी ढंग का नावेल' सबसे न बन पड़ा। खासतौर से उनसे जो सर्जनशील रचनाकार थे; जैसे हिन्दी से ही उदाहरण लें तो ठाकुर जगमोहन सिंह, जिनकी कथाकृति 'श्यामास्वप्न' किसी भी तरह 'अंग्रेजी ढंग का नावेल' नहीं है। ऐसे सर्जनशील रचनाकारों के सिरमौर हैं बंकिमचन्द्र, जिन्हें प्रथम भारतीय उपन्यासकार होने का गौरव प्राप्त है। छब्बीस वर्ष की कच्ची उम्र में बंकिमचन्द्र ने 'दुर्गेशनन्दिनी' (1865) नाम का अपना पहला बंगला उपन्यास प्रकाशित किया और एक साल के बाद 'कपालकुंडला' (1866) ; फिर तीन साल के अंतराल के बाद मृणालिनी (1869)। इनमें से एक भी 'अंग्रेजी ढंग का नावेल' नहीं है। जगमोहन सिंह के 'श्यामास्वप्न' के समान ही ये तीनों उपन्यास किसी 'अंग्रेजी ढंग के नावेल की अपेक्षा संस्कृत की 'कादम्बरी' की याद दिलाते हैं। यह भी एक विडंबना ही है। एक लेखक कथा की पुरानी परम्परा से मुक्त होकर एकदम आधुनिक ढंग की नई कथाकृति रचना चाहता है और परंपरा है कि उसके सर्जनात्मक अवचेतन का संचालन कर रही है। कंबल बाबाजी को कैसे छोड़े! इस तरह बंकिमचन्द्र की रचना प्रक्रिया से गुजरकर जो चीज निकली उसके लिए सही	

	नाम एक ही है - रोमांस। उपन्यास का अर्थ जिनके लिए 'अंग्रेजी ढंग का नावेल' है - फिर उसकी परिभाषा जो भी हो, वे इसे बंकिमचन्द्र की विफलता मानेंगे लेकिन मेरी दृष्टि से लेखक की इस विफलता में ही भारतीय उपन्यास की सार्थकता निहित है भारतीय उपन्यास के मूलाधार उन्नीसवीं शताब्दी के ये 'रोमांस' ही हैं, न कि तथाकथित अंग्रेजी ढंग के उपन्यास! उन्नीसवीं शताब्दी के भारतीय मानस का सही प्रतिनिधित्व 'कपालकुंडला' करती है, 'परीक्षागुरु' नहीं। 'परीक्षागुरु' का महत्व अधिक से अधिक ऐतिहासिक है और वह भी सिर्फ हिन्दी के लिए। जब कि 'कपालकुंडला' अपने जमाने की अत्याधिक लोकप्रिय कृति होने के साथ ही स्थायी कीर्ति की हकदार है। तथाकथित 'अंग्रेजी ढंग के नावेल' का तिरस्कार करके ही बंकिमचन्द्र के रोमांसधर्मी उपन्यासों ने भारतीय राष्ट्र के भारतीय उपन्यास की अपनी पहचान बनाने में पहल की। अंग्रेजी ढंग के 'नावेल' का तिरस्कार वस्तुत: उपनिवेशवाद का तिरस्कार है। भारत से पहले अंग्रेजी ढंग के 'नावेल' को उत्तरी अमेरिका अस्वीकार ढंग के 'नावेल' का अनुकरण नहीं किया। 'स्कार्लेट लेटर' और 'मोबी डिक' ऐसे रोमांस' हैं जिन्हें 'राष्ट्रीय रूपक के रूप में आज भी ग्रहण किया जाता है। अंग्रेजी साम्राज्यवाद से अपने आपको मुक्त कर अमेरिकी प्रतिभा ने आख्यान ने रूपबन्ध में भी स्वतन्त्रता प्राप्त की। इस प्रकार उत्तरी अमेरिका में राष्ट्र और उपन्यास का जन्म साथ-साथ हुआ। तब तक के अंग्रेजी 'नावेल' के रूपबन्ध में एक स्वतन्त्र राष्ट्र की उद्दाम आकांक्षाओं का अंटना संभव न था। नए राष्ट्र के एक नितांत नए उन्मुक्त रुपबन्ध का सृजन किया।	
	निम्नलिखित में से निर्देशानुसार सबसे उचित विकल्पों का चयन कीजिए-	
(i)	प्रस्तुत उपन्यास किस विषय पर आधारित है? (क) उपनिवेशवाद (ख) रोमांस (ग) कहानी (घ) उपन्यास	**1**
(ii)	बंकिमचंद्र की आरंभिक रचनाओं का केद्र क्या था ? (क) अंग्रेजी नॉवेल (ख) सृजन (ग) रोमांस (घ) उपनिवेशवाद	**1**
(iii)	किस रूप में अमेरिकी प्रतिभा ने अंग्रेजी साम्राज्यवाद से खुद को मुक्त किया ? (क) उपनिवेशवाद (ख) उपन्यास (ग) रोमांस	**1**

	(घ) आख्यान	
(iv)	निम्न में से किसको आज भी राष्ट्रीय रुपक के रूप में माना जाता है ? (क) मोबी हिक (ख) कादंबरी (ग) पंचतंत्र (घ) कपालकुंडला	1
(v)	उन्नीसवी शताब्दी में अंग्रेज किन भारतीयों कथाओं के पीछे पागल नहीं थे ? (क) कादंबरी (ख) उपन्यास (ग) मृणालिनी (घ) पंचतंत्र	1
(vi)	अंग्रेजी ढंग के नॉवेल के तिरस्कार से क्या तात्पर्य है? (क) अंग्रेजी साहित्य का तिरस्कार (ख) उपनिवेशवाद का तिरस्कार (ग) स्वतंत्रता का आगमना (घ) उपन्यास की शुरुआत	1
(vii)	कपालकुंडला किसके प्रतिनिधि के रूप में है? (क) अंग्रेजी नॉवेल (ख) बांग्ला उपन्यास (ग) भारतीय मानस (घ) रोमांटिक उपन्यास	1
(viii)	भारतीय उपन्यास का मूलाधार क्या है ? (क) अंग्रेजी ढंग का नॉवेल (ख) परीक्षा गुरु (ग) कादंबरी (घ) बंकिमचंद्र के उपन्यास	1
(ix)	बंकिमचंद्र का पहला उपन्यास कौन था ? (क) दुर्गेशनंदिनी (ख) कपालकुंडला (ग) मृणालिनी (घ) श्यामास्वप्न	1
(x)	हिन्दी में अंग्रेजी ढंग का पहला उपन्यास किसे माना गया ? (क) मृणालिनी	1

	(ख) परीक्षागुरु (ग) कादंबरी (घ) श्यामस्वप्न	
	अथवा	
	इतिहास लिखने की ओर कोई जाति तभी प्रवृत्त होती है जब उसका ध्यान अपने इतिहास के निर्माण की ओर जाता है। यह बात साहित्य के बारे में उतनी ही सच है जितनी जीवन के हिंदी में आज इतिहास लिखने के लिए यदि विशेष उत्साह दिखाई पड़ रहा है तो यही समझा जाएगा कि स्वराज्य-प्राप्ति के बाद सारा भारत जिस प्रकार सभी क्षेत्रों में इतिहास-निर्माण के लिए आकुल है उसी प्रकार हिंदी के विद्वान एवं साहित्यकार भी अपना ऐतिहासिक दायित्व निभाने के लिए प्रयत्नशील हैं। पहले भी जब साहित्य का इतिहास लिखने की परंपरा का सूत्रपात हुआ था तो संपूर्ण राष्ट्रीय जीवन के विभिन्न क्षेत्रों के इतिहास-निर्माण के साथ ही। यदि आरंभिक इतिहासों के इतिहास में न जाकर पं. रामचंद्र शुक्ल के इतिहास को ही लें, जो हिंदी-साहित्य का पहला व्यवस्थित इतिहास माना जाता है, तो उसकी ऐतिहासिकता द्योतित करने के लिए उस युग का राष्ट्रीय आंदोलन समानांतर दिखाई पड़ेगा। राजनीतिक इतिहास ग्रंथों का सिलसिला भी उसी ऐतिहासिक दौर में जमा। परंतु शुक्लजी के इतिहास के संदर्भ में जो सबसे प्रासंगिक तथ्य है वह है तत्कालीन रचनात्मक साहित्य की ऐतिहासिक क्रांति - कपिता और कथा-साहित्य का नवीन सृजनात्मक प्रयत्न। साहित्य का वैसा इतिहास तभी संभव हुआ जब साहित्य-रचना के क्षेत्र में एक ऐतिहासिक परिवर्तन आया, जब सच्चे अर्थों में इतिहास बना। इसके अतिरिक्त, शुक्लजी का इतिहास 'हिंदी शब्द सागर' के साथ आया था, जिसके आसपास ही प. कामताप्रसाद गुरु का पहला प्रामाणिक 'हिंदी व्याकरण' भी निकला था साहित्य का इतिहास, शब्दकोश एवं व्याकरण-क्या इन तीनों का एक साथ बनना आकस्मिक है? यह तथ्य इसलिए ध्यान देने योग्य है कि आज फिर जब साहित्यिक इतिहास लिखने का उत्साह उमड़ा है तो साथ-साथ शब्दकोश और व्याकरण के संशोधन एवं परिवर्तन के प्रयत्न भी हो रहे हैं; बल्कि जिस काशी नगरी प्रचारिणी सभा ने पिछले ऐतिहासिक दौर में ये तीनों कार्य किए थे, वही संस्था आज फिर बहुत बड़े पैमाने पर तीनों योजनाओं के साथ प्रस्तुत है। और चूंकि अब हिंदी का कार्यक्षेत्र पहले से कहीं अधिक व्यापक हो गया है इसलिए इस प्रकार के प्रयत्न यदि अन्य अनेक जगहों से भी हों तो स्वाभाविक ही कहा जाएगा, जैसे भारतीय हिंदी परिषद, प्रयाग की ओर से तीन जिल्दों में प्रकाशित होनेवाला 'हिंदी-साहित्य'। इन तथ्यों से प्रमाणित होता है कि आज भी हिंदी उन सभी आवश्यकताओं की पूर्ति के लिए पूर्णत: तत्पर है, जो कि उससे अपेक्षित भाषाएँ जो कार्य काफी पहले कर चुकी हैं उसे थोड़े समय में ही जल्द से जल्द पूरा करके हिंदी भी सबके साथ आ जाना चाहती है, बल्कि संभव हुआ तो आगे निकल जाने के लिए भी आकुल है। सभा एवं परिषद के बृहद् -	

	मध्यम इतिहास अनायास ही 'कैम्ब्रिज हिस्ट्री ऑफ इंगलिश लिटरेचर' और 'ऑक्सफोर्ड हिस्ट्री आफ इंगलिश लिटरेचर' की याद दिला देते हैं। जैसा कि इन हिंदी इतिहासों का मंतव्य स्पष्ट किया गया है, 'कोई एक लेखक सभी विषयों पर विशेषज्ञता की दृष्टि से विचार नहीं कर सकता है, इसलिए विभिन्न विषयों के विशेषज्ञों के सहयोग से ऐसा इतिहास प्रस्तुत किया जाए जिसमें नवीनतम खोजों और नवीन व्याख्याओं का समुचित उपयोग हो सके।" ऐसे संदर्भ-ग्रंथों की एक निश्चित उपयोगिता है, किंतु यह उनकी अनिवार्य सीमा भी है इस सीमा को ध्यान में रखकर ही साहित्यिक इतिहास पर पुनर्विचार संभव है।	
	निम्नलिखित में से निर्देशानुसार सबसे उचित विकल्पों का चयन कीजिए -	
(i)	प्रस्तुत गद्यांश में किस विषय पर बात हुई है ? (क) साहित्य का निर्माण (ख) इतिहास निर्माण (ग) हिन्दी साहित्य का इतिहास लेखन (घ) इतिहास लेखन	**1**
(ii)	किस समय से इतिहास लेखन में हिन्दी के विद्वानों ने व्याकुलता दिखाई ? (क) और इतिहास लिखे जाने के बाद (ख) स्वतंत्रता के बाद (ग) शब्दकोश के निर्माण के बाद (घ) कथा साहित्य के आने के बाद	**1**
(iii)	साहित्यिक इतिहास की सीमा क्या है ? (क) शब्दकोश (ख) पुनर्विचार (ग) मध्य इतिहास (घ) उसकी उपयोगिता	**1**
(iv)	वर्तमान में हिन्दी का कार्य क्षेत्र कैसा है ? (क) सबसे आगे (ख) व्यापक (ग) कम (घ) सिमटा हुआ	**1**
(v)	भारतीय हिन्दी परिषद कहाँ स्थित है ? (क) लखनऊ (ख) काशी (ग) प्रयाग (घ) बनारस	**1**

(vi)	शुक्ल जी का इतिहास किसके साथ आया था ? (क) हिन्दी शब्द सागर (ख) हिन्दी व्याकरण (ग) मध्यकालीन इतिहास (घ) आधुनिक काल इतिहास	1
(vii)	साहित्य का इतिहास लिखना कैसे संभव हुआ? (क) हिन्दी व्याकरण के आने से (ख) लिखने आने पर (ग) साहित्य के रचना में परिवर्तन होने पर (घ) कुछ समय बीतने पर	1
(viii)	इतिहास लिखने की ओर कोई प्रवृत कब होता है ? (क) युग की समाप्ति के बाद (ख) जब कुछ इतिहास हो जाता है (ग) जब सही समय आता है (घ) जब इतिहास निर्माण की जरूरत होती है	1
(ix)	इतिहास लेखन का कार्य किस संस्था ने पहले किया था ? (क) नागरी प्रचारिणी सभा (ख) काशी सभा (ग) रामचन्द्र शुक्ल (घ) हिन्दी इतिहास संस्था	1
(x)	हिन्दी साहित्य का पहला व्यवस्थित इतिहास किसके इतिहास को माना जाता है ? (क) नामवर सिंह (ख) रामचन्द्र शुक्ल (ग) हजारीप्रसाद द्विवेदी (घ) कामता प्रसाद	1
	अपठित पद्यांश	**(8)**
प्रश्न 2.	**निम्नलिखित में से किसी <u>एक</u> पद्यांश को ध्यानपूर्वक पढ़िए :-** यदि तुम्हारे घर के एक कमरे में आग लगी हो तो क्या तुम दूसरे कमरे में सो सकते हो? यदि तुम्हारे घर के एक कमरे में लाशें सड़ रहीं हों	

QB365 QUESTION BANK 365 TM

	तो क्या तुम दूसरे कमरे में प्रार्थना कर सकते हो? यदि हॉ तो मुझे तुम से कुछ नहीं कहना है। देश कागज पर बना नक्शा नहीं होता कि एक हिस्से के फट जाने पर बाकी हिस्से उसी तरह साबुत बने रहें और नदियां, पर्वत, शहर, गांव वैसे ही अपनी-अपनी जगह दिखें अनमने रहें। यदि तुम यह नहीं मानते तो मुझे तुम्हारे साथ नहीं रहना है। इस दुनिया में आदमी की जान से बड़ा कुछ भी नहीं है न ईश्वर न ज्ञान न चुनाव कागज़ पर लिखी कोई भी इबारत फाड़ी जा सकती है। और जमीन की सात परतों के भीतर गाड़ी जा सकती है। जो विवेक खड़ा हो लाशों को टेक वह अंधा है जो शासन चल रहा हो बंदूक की नली से हत्यारों का धंधा है यदि तुम यह नहीं मानते तो मुझे अब एक क्षण भी	

	तुम्हें नहीं सहना है। याद रखो एक बच्चे की हत्या एक औरत की मौत एक आदमी का गोलियों से चिथड़ा तन किसी शासन का ही नहीं सम्पूर्ण राष्ट्र का है पतन।	
	निम्नलिखित में से निर्देशानुसार सबसे उचित विकल्पों का चयन कीजिए -	
(i)	निम्न में क्या सही है? (क) देश कागज पर बना नक्शा होता है (ख) बेबस की मौत सम्पूर्ण राष्ट्र का पतन है। (ग) सबसे बड़ा ईश्वर है (घ) लाशों पर खड़ा विवेक अंधा नहीं है।	1
(ii)	देश और नक्शे में क्या अंतर है ? (क) देश और नक्शे का कोई संबंध नहीं है (ख) देश के टुकड़े होने पर बाकी हिस्सों को कुछ नहीं होता (ग) नक्शे के फटने से बाकी हिस्सों पर असर नहीं पड़ता (घ) नक्शा का महत्व अधिक होता है	1
(iii)	एक बच्चे की हत्या को कवि ने क्या कहा ? (क) राष्ट्र का गिरना (ख) शासन का पतन (ग) विवेक का पतन (घ) बुद्धि का पतन	1
(iv)	काव्यांश के अनुसार अंधा कौन है ? (क) ज्ञान (ख) कानून (ग) शासन (घ) विवेक	1
(v)	कवि ने सबसे अधिक महत्वपूर्ण किस चीज को बताया है ? (क) ईश्वर को (ख) ज्ञान को (ग) चुनाव को	1

	(घ) आदमी को	
(vi)	'जमीन की सात परतों के भीतर' में कौन-सा अलंकार है? (क) अनुप्रास (ख) रूपक (ग) उपमा (घ) उत्प्रेक्षा	1
(vii)	'इबारत' का अर्थ क्या है? (क) कविता (ख) लिखावट (ग) कहानी (घ) लघु नाटिका	1
(viii)	सम्पूर्ण का विलोम लिखिए । (क) पूर्ण (ख) अपूर्ण (ग) निपुण (घ) अन्नपूर्ण	1
	अथवा	
	हम दूरदर्शन पर बोलेंगे हम समर्थ शक्तिमान हम एक दुर्बल को लाएंगे एक बंद कमरे में उससे पूछेंगे तो आप क्या अपाहिज हैं? तो आप क्यों अपाहिज हैं ? आपका अपाहिजपन तो दुख देता होगा देता है? (कैमरा दिखाओ इसे बड़ा बड़ा) हां तो बताइए आपका दुख क्या है जल्दी बताइए वह दुख बताइए बता नहीं पाएगा सोचिए बताइए आपको अपाहिज होकर कैसा लगता है कैसा	

	यानी कैसा लगता है (हम खुद इशारे से बताएंगे कि क्या ऐसा?) सोचिए बताइए थोड़ी कोशिश करिए (यह अवसर खो देंगे?) आप जानते हैं कि कार्यक्रम रोचक बनाने के वास्ते हम पूछ-पूछ उसको रुला देंगे इंतज़ार करते हैं आप भी उसके रो पड़ने का करते हैं ? फिर हम परदे पर दिखलाऐंगे फूली हुई आ आंख की एक बड़ी तसवीर बहुत बड़ी तसवीर और उसके होठों पर एक कसमसाहट भी (आशा है आप उसे उसकी अपंगता की पीड़ा मानेंगे) एक और कोशिश दर्शक धीरज रखिए देखिए हमें दोनों एक संग रुलाने हैं आप और वह दोनों (कैमरा बस करो नहीं हुआ रहने दो परदे पर वक्त की कीमत है) अब मुसकुराएंगे हम आप देख रहे थे सामाजिक उद्देश्य से युक्त कार्यक्रम (बस थोड़ी ही कसर रह गई) धन्यवाद ।	
	निम्नलिखित में से निर्देशानुसार सबसे उचित विकल्पों का चयन कीजिए -	
(i)	साक्षात्कारकर्ता किसे रुलाना चाहता है?	1

	(क) दर्शक और अपाहिज दोनों को (ख) दर्शक को (ग) अपाहिज को (घ) कैमरा मैन को	
(ii)	प्रस्तुत काव्यांश से मीडिया के किस भाव का पता चलता है? (क) मदद की भावना (ख) संवेदनशीलता (ग) संवेदनहीनता (घ) सामाजिक कार्य की भावना	1
(iii)	'फिर हम परदे पर दिखलाएंगे' पंक्ति में अलंकार बताइए। (क) श्लेष (ख) उत्प्रेक्षा (ग) मानवीकरण (घ) अनुप्रास	1
(iv)	'फूली हुई आँख की तस्वीर' से क्या तात्पर्य है? (क) अपाहिज का रोना (ख) अपाहिज की पीड़ा (ग) संवेदना (घ) मीडिया का दुख	1
(v)	प्रस्तुत काव्यांश में कौन सा रस है? (क) करुण रस (ख) वीभत्स रस (ग) भयानक रस (घ) रौद्र रस	1
(vi)	'सामाजिक' में प्रत्यय क्या है? (क) जिक (ख) इक (ग) अक (घ) क	1
(vii)	कवि किसको कीमती बताता है? (क) वक्त (ख) अवसर (ग) आशा	1

	(घ) हँसी	
(viii)	दुर्बल का विलोम लिखिए। (क) बल (ख) सबल (ग) निर्बल (घ) उपर्युक्त में से कोई नहीं	1
	कार्यालयी हिंदी और रचनात्मक लेखन	(5)
प्रश्न 3.	**निम्नलिखित में से निर्देशानुसार सबसे उचित विकल्पों का चयन कीजिए -**	**5x1=5**
(i)	जनसंचार का कार्य क्या नहीं है? (क) सूचना देना (ख) मनोरंजन करना (ग) नेता चुनना (घ) एजेंडा तय करना	1
(ii)	समाचार पत्रों में विशेष लेखन के लिए किसकी व्यवस्था होती है? (क) बैंच (ख) डेस्क (ग) कक्ष (घ) पुस्तकालय	1
(iii)	अखबार का दायित्व क्या है? (क) सूचना देना (ख) मनोरंजन करना (ग) जागरूक करना (घ) उपरोक्त सभी	1
(iv)	खोजी रिपोर्ट किस रिपोर्ट के अंतर्गत आती है? (क) विशेष रिपोर्ट (ख) मौलिक रिपोर्ट (ग) विवरण रिपोर्ट (घ) सत्यापित रिपोर्ट	1
(v)	समाचार लेखन की शैली क्या है? (क) पिरामिड शैली (ख) सीधा पिरामिड शैली (ग) उल्टा पिरामिड शैली (घ) उपरोक्त में से कोई नहीं	1

	पाठ्य-पुस्तक	(10)
प्रश्न 4.	**निम्नलिखित काव्यांश को ध्यानपूर्वक पढ़िए :-** भूपति मरन पेम पनु राखी। जननी कुमति जगतु सबु साखी।। देखि न जाहिं बिकल महतारी। जरहिं दुसह जर पुर नर नारीं।। महीं सकल अनरथ कर मूला। सो सुनि समुझि सहिउँ सब सूला।। सुनि बन गमनु कीन्ह रघुनाथा। करि मुनि बेष लखन सिय साथा।। बिन पानहिंन्ह पयादेहि पाएँ। संकरु साखि रहेउँ एहि घाएँ।। बहुरि निहारि निषाद सनेहु। कुलिस कठिन उर भयऊ न बेहू।। अब सबु आँखिन्ह देखेउँ आई। जिअत जीव जड़ सबइ सहाई।। जिन्हहि निरखि मग साँपिनी बीछी। तजहिं विषम बिषु तापस तीछी।।	5x1=5
	निम्नलिखित में से निर्देशानुसार सबसे उचित विकल्पों का चयन कीजिए -	
(i)	उपर्युक्त काव्यांश कहाँ से लिया गया है? (क) राम चरित मानस से (ख) अयोध्याकांड से (ग) क व ख दोनों (घ) कवितावली से	1
(ii)	उपर्युक्त कथन किसका है? (क) राम का (ख) भरत का (ग) लक्ष्मण का (घ) कैकयी का	1
(iii)	प्रस्तुत काव्यांश में 'प्रेम का प्रण' किसके द्वारा निबाहने की बात की गई है? (क) भरत (ख) राम (ग) लक्ष्मण (घ) दशरथ	1
(iv)	प्रस्तुत काव्यांश की भाषा कौन सी है? (क) ब्रज (ख) अवधी (ग) मैथिली (घ) उपरोक्त में से कोई नहीँ	1
(v)	'सो सुनि समुझि सहिउ सब सूला' पंक्ति में अलंकार बताइए- (क) श्लेष	1

	(ख) अनुप्रास (ग) यमक (घ) उपमा	
प्रश्न 5.	**निम्नलिखित गद्यांश को ध्यानपूर्वक पढ़िए।** मेरे पिताजी फ़ारसी के अच्छे ज्ञाता और पुरानी हिंदी कविता के बड़े प्रेमी थे। फारसी कवियों की उक्तियों को हिंदी कवियों की उक्तियों के साथ मिलाने में उन्हें बड़ा आनन्द आता था।वे रात को प्रायः रामचरितमानस और रामचंद्रिका, घर के सब लोगों को एकत्र करके बड़े चित्ताकर्षक ढंग से पढ़ा करते थे। उन्हें भी वे कभी कभी सुनाया करते थे। आधुनिक हिंदी साहित्य में उन्हें भारतेंदु जी के नाटक बड़े प्रिय थे। उन्हें भी वे कभी-कभी सुनाया करते थे। जब उनकी बदली हमीरपुर जिले की राठ तहसील से मिर्ज़ापुर हुई तब मेरी अवस्था आठ वर्ष की थी। उसके पहिले से ही भारतेंदु के सम्बंध में एक अपूर्व भावना मेरे मन में जगी रहती थी। 'सत्य हरिश्चंद्र' नाटक के नायक और कवि हरिश्चंद्र में मेरी बाल बुद्धि कोई भेद नहीं कर पाती थी।	**5x1=5**
	निम्नलिखित में से निर्देशानुसार सबसे उचित विकल्पों का चयन कीजिए -	
(i)	प्रस्तुत गद्यांश किस पाठ से अवतरित है? (क) प्रेमघन की छाया स्मृति (ख) सुमिरिनी के मनके (ग) संवदिया (घ) दूसरा देवदास	**1**
(ii)	यह पाठ किस विधा में रचित है? (क) जीवनी (ख) संस्मरण (ग) आत्मकथा (घ) कहानी	**1**
(iii)	प्रस्तुत पंक्तियों में "मैं" शब्द किसके लिए प्रयुक्त हुआ है? (क) रामचन्द्र शुक्ल (ख) कोई बालक (ग) उपाध्याय बदरी नारायण चौधरी (घ) भारतेंदु हरिश्चंद्र	**1**
(iv)	किसके प्रति लेखक के मन में एक मधुर भावना का संचार था? (क) उपाध्याय बदरी नारायण चौधरी के प्रति (ख) भारतेंदु हरिश्चंद्र के प्रति (ग) अपने पिताजी के प्रति	**1**

	(घ) उपरोक्त सभी के प्रति	
(v)	'चित्ताकर्षक' का अर्थ बताइए- (क) अत्यधिक आकर्षक (ख) जो कृषक हो (ग) मन को आकर्षित करने वाला (घ) उपरोक्त में से कोई नहीं	1
	पूरक पाठ्य-पुस्तक	(07)
प्रश्न 6.	**निम्नलिखित में से निर्देशानुसार सबसे उचित विकल्पों का चयन कीजिए -**	
(i)	सुभागी रात भर कहाँ छिपी रही? (क) सूरदास की झोपड़ी में (ख) जगधर के घर (ग) मंदिर के पिछवाड़े अमरूद के बाग में (घ) नायकराम के घर	1
(ii)	बिसनाथ ने दिलशाद गार्डन के डियर पार्क में क्या देखी ? (क) मोरनी (ख) बत्तख (ग) कोयल (घ) बुलबुल	1
(iii)	भैरो कौन था? (क) रूपसिंह का बड़ा भाई (ख) जगधर का बेटा (ग) सुभागी का पति (घ) सूरदास का रिश्तेदार	1
(iv)	बिस्कोहर की माती पाठ के आधार पर बताइए कि नीम के फूल से किस बीमारी से पीड़ित मरीज को ठीक कर सकते हैं? (क) कैंसर (ख) हैजा (ग) चेचक (घ) पीलिया	1
(v)	जब लेखक प्रभाष जोशी मालवा पहुँचे, तब कौन से त्योहार की घट स्थापना की तैयारी चल रही थी? (क) शिवरात्रि (ख) नवरात्रि	1

	(ग) जन्माष्टमी (घ) होलिका दहन	
(vi)	लेखक प्रभाष जोशी द्वारा रचित पाठ किससे सम्बंधित है? (क) पर्यावरणीय सरोकारों से आम जनता को जोड़ना। (ख) पाठकों को भारत की नदियों की जानकारी देना। (ग) मालवा क्षेत्र का गुणगान करना। (घ) अपनी यात्रा के बारे में बताना।	1
(vii)	आरोहण कहानी में 'माही' गाँव के लोग कौन सी भाषा बोल रहे थे? (क) अँग्रेजी (ख) नेपाली (ग) गढ़वाली (घ) भोजपुरी	1
	खंड 'ब' वर्णनात्मक प्रश्न	
	कार्यालयी हिंदी और रचनात्मक लेखन	(20)
प्रश्न 7.	**निम्नलिखित में से किसी <u>एक</u> विषय पर लगभग 150 शब्दों में रचनात्मक लेख लिखिए :-** (क) क्रोध पाप का मूल है क्रोध ज्ञान को खाय। (ख) प्रगति के पथ पर बढ़ता भारत (ग) दिव्यांग जनों के प्रति हमारा कर्तव्य	5x1=5
प्रश्न 8.	हिंदी की पाठ्य पुस्तकों में संशोधन करने हेतु राष्ट्रीय शैक्षिक अनुसंधान और प्रशिक्षण परिषद द्वारा कुछ सुझाव आमंत्रित किए गए हैं। परिषद के निदेशक को पत्र लिखकर उपयुक्त सुझाव दीजिए। **<u>अथवा</u>** आपके विद्यालय में प्राइमरी कक्षाओं के लिए कंप्यूटर शिक्षक के लिए दो स्थान खाली हैं। अपना स्ववृत्त लिखते हुए विद्यालय की प्रधानाचार्या को आवेदन पत्र लिखिए।	5x1=5
प्रश्न 9.	**निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर लगभग 40-50 शब्दों में लिखिए-**	5
(i)	स्तंभ लेखन से क्या अभिप्राय है? **<u>अथवा</u>** प्रिंट मीडिया की दो विशेषताएँ लिखिए।	3
(ii)	पूर्णकालिक पत्रकार किसे कहते हैं? **<u>अथवा</u>** भारत में प्रथम छापाखाना कब और कहां खुला था?	2
प्रश्न 10.	**निम्नलिखित प्रश्नों में से किन्हीं दो प्रश्नों के उत्तर लगभग 40 - 50 शब्दों में लिखिए-**	5
(i)	टेलीविजन को जनसंचार का सबसे लोकप्रिय माध्यम क्यों कहा जाता है?	3

	अथवा इंटरनेट पत्रकारिता के लोकप्रिय होने के कोई तीन कारण बताइए ।	
(ii)	रेडियो माध्यम की कोई दो विशेषताएँ लिखिए। **अथवा** एक अच्छे फीचर की विशेषताएँ बताइए ।	**2**
	पाठ्य-पुस्तक	(20)
प्रश्न 11.	**निम्नलिखित में से किन्हीं दो प्रश्नों के उत्तर लगभग 50 - 60 शब्दों में लिखिए-**	**6**
(i)	'एक कम' कविता के संदर्भ में ईमानदार आदमी के असहाय हो जाने का कारण स्पष्ट कीजिए।	**3**
(ii)	राम के वन गमन के पश्चात कौशल्या की मनोदशा का वर्णन कीजिए ।	**3**
(iii)	'उड़ते खग' और 'बरसाती आंखों के बादल' में क्या विशेष अर्थ व्यंजित किया गया है ?	**3**
प्रश्न 12.	**निम्नलिखित में से किन्हीं दो प्रश्नो के उत्तर लगभग 30-40 शब्दों में लिखिए-**	**4**
(i)	'सत्य का दिखना और ओझल होना' से कवि का क्या तात्पर्य है?	**2**
(ii)	'देवसेना का गीत' में कवि ने आशा को बावली क्यों कहा है?	**2**
(iii)	'तोड़ो' कविता में पत्थर और चट्टान किसके प्रतीक हैं?	**2**
प्रश्न 13.	**निम्नलिखित में से किन्हीं दो प्रश्नो के उत्तर लगभग 50 -60 शब्दों में लिखिए-**	**6**
(i)	बड़ी बहुरिया अपने मायके संदेश क्यों भेजना चाहती थी?	**3**
(ii)	राजा ने जनता को हुक्म क्यों दिया कि वे अपनी आँखें बंद कर लें ?	**3**
(iii)	प्रकृति के कारण विस्थापन और औद्योगीकरण के कारण विस्थापन में क्या अंतर है?	**3**
प्रश्न 14.	**निम्नलिखित प्रश्नों में से किन्हीं दो प्रश्नों के उत्तर लगभग 30-40 शब्दों में लिखिए-**	**4**
(i)	रामचंद्र शुक्ल ने अपने पिताजी की किन विशेषताओं का उल्लेख किया है?	**2**
(ii)	उस छोटी सी मुलाकात ने संभव के मन में क्या हलचल उत्पन्न कर दी ?	**2**
(iii)	बालक द्वारा इनाम में लड्डू माँगने पर लेखक ने सुख की साँस क्यों भरी?	**2**

QB365 QUESTION BANK 365